2

दयालु राजा

प्रस्तुत पाठ में लेखक ने शिक्षा के महत्व का अद्‌भुत वर्णन किया है।

बहुत पुरानी बात है। एक नगर में एक राजा राज्य करते थे। उन्हें पशु-पक्षियों से बहुत प्यार था। वे पशु-पक्षियों से मिलने के लिए वन में जाते थे। हमेशा की तरह एक दिन राजा पशु-पक्षियों को देखने के लिए वन में गए। तभी अचानक आसमान में बादल घिर आए और बिजली की कड़क के साथ बारिश होने लगी। बारिश होने के कारण उन्हें ठीक से कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। राजा रास्ता भटक गए। रास्ता ढूँढ़ते-ढूँढ़ते किसी तरह राजा जंगल के किनारे पहुँच गए। भूख-प्यास और थकान से बेचैन राजा एक बड़े-से पेड़ के नीचे बैठ गए।

वहाँ बैठे हुए राजा को काफ़ी देर हो गई। थोड़ी देर बाद राजा को उधर से आते हुए तीन बालक दिखाई दिए। राजा ने उन्हें प्यार से अपने पास बुलाया, "बच्चो! यहाँ आओ, मेरी बात सुनो।" तीनों बालक हँसते-खेलते राजा के पास आकर बोले, "बोलिए, आपको हमसे क्या काम है?"

राजा बोले, "मुझे बहुत भूख और प्यास लगी है। क्या मुझे भोजन और पानी मिल सकता है?"

बालक बोले, "पास में ही इन झाड़ियों के पीछे हमारा घर है। हम अभी जाकर आपके लिए भोजन और पानी लेकर आते हैं। आप बस थोड़ी देर प्रतीक्षा कीजिए।" तीनों बालक दौड़कर गए और राजा के लिए भोजन और पानी ले आए।

राजा बालकों के व्यवहार से बहुत खुश हुए। वे बोले, "प्यारे बच्चो, तुमने मेरी भूख और प्यास मिटाई है, मैं तुम तीनों बालकों को इनाम के रूप में कुछ देना चाहता हूँ। बताओ, बालको तुम्हें क्या चाहिए।"

राजा की बात सुनकर बालक खुश हो गए। थोड़ी देर सोचने के बाद एक बालक बोला, "महाराज! क्या आप मुझे एक बड़ा-सा बँगला और गाड़ी दे सकते हैं?"

राजा बोले, "हाँ-हाँ, क्यों नहीं! अगर तुम्हें ये ही चाहिए तो ज़रूर मिलेगा।" अब तो बालक फूला न समाया। दूसरा बालक भी उछलते हुए बोला, "मैं बहुत गरीब हूँ। मुझे धन चाहिए जिससे मैं भी अच्छा-अच्छा खा सकूँ, अच्छे-अच्छे कपड़े पहनूँ और खूब मस्ती करूँ।"

राजा मुस्कराकर बोले, "ठीक है बेटा, मैं तुम्हें बहुत सारा धन दूँगा।" यह सुनकर तो दूसरा बालक खुशी से झूम उठा। भला तीसरा बालक क्यों चुप रहता वह भी बोला, "महाराज! क्या आप मेरा भी सपना पूरा करेंगे?"

मुस्कराते हुए राजा ने कहा, "क्यों नहीं! बोलो बेटा, तुम्हारा क्या सपना है? तुम्हें भी धन-दौलत चाहिए?"

"नहीं महाराज! मुझे धन-दौलत नहीं चाहिए। मेरा सपना है कि मैं पढ़-लिखकर विद्वान बनूँ। क्या आप मेरे लिए कुछ कर सकते हैं?" तीसरे बालक की बात सुनकर राजा बहुत खुश हुए। राजा ने उसके पढ़ने-लिखने की उचित व्यवस्था करवा दी। वह मेहनती बालक था। वह दिन-रात लगन से पढ़ता और कक्षा में पहला स्थान प्राप्त करता। इस तरह समय बीतता गया। वह पढ़-लिखकर विद्वान बन गया। राजा ने उसे राज्य का मंत्री बना दिया। बुद्धिमान होने के कारण सभी लोग उसका आदर-सम्मान करने लगे।

उधर जिस बालक ने राजा से बँगला और गाड़ी माँगी थी, अचानक बाढ़ आने से उसका सब कुछ पानी में बह गया। दूसरा बालक भी धन मिलने के बाद कोई काम नहीं करता था। बस दिनभर फ़िजूलखर्च करके धन को उड़ाता और मौज़-मस्ती करता था। लेकिन रखा धन भला कब तक चलता। एक समय आया कि उसका सारा धन समाप्त हो गया। वह फिर से गरीब हो गया।

दोनों बालक उदास होकर अपने मित्र (मंत्री) से मिलने राजा के दरबार में गए। वे दुःखी होकर अपने मित्र से बोले, "हमने राजा से इनाम माँगने में बहुत बड़ी भूल की। हमारा धन, बँगला और गाड़ी सब कुछ नष्ट हो गया। हमारे पास अब कुछ नहीं बचा।" मित्र ने समझाते हुए कहा, "किसी के भी पास धन-दौलन हमेशा नहीं रहती। धन तो आता-जाता रहता है। सिर्फ़ शिक्षा है जो हमेशा पास रहती है। धन से नहीं, बल्कि शिक्षा से ही हम धनवान बनते हैं।"

दोनों बालकों को अपनी गलती पर बहुत पछतावा हुआ। उन्होंने तय किया कि "हम भी मेहनत और लगन से पढ़ाई करेंगे और अपने जीवन को सुखी बनाएँगे।"

शिक्षा विद्या धन ही सर्वश्रेष्ठ धन है।

शिक्षण-संकेत

- बच्चों को शिक्षा की महत्ता के बारे में बताएँ।
- यह पाठ प्रभावशाली ढंग से पढ़कर सुनाने के बाद बच्चों से रोचक बातचीत के बीच छोटे-छोटे प्रश्न पूछें कि वे शिक्षा को या धन को ज़्यादा महत्व देते हैं और क्यों? आदि।
- बातचीत की शैली में बताएँ कि शिक्षा खर्च करने पर कम नहीं होती बल्कि बढ़ती है।

शब्द-पोटली

अचानक	– एकाएक	बारिश	– वर्षा	भटकना	– रास्ता भूलना
बेचैन	– व्याकुल	भोजन	– खाना	व्यवहार	– बर्ताव
गरीब	– निर्धन	मेहनत	– परिश्रम	व्यवस्था	– प्रबंध
शिक्षा	– ज्ञान	पछतावा	– पश्चात्ताप	नष्ट	– नाश
विद्वान	– पंडित	प्रतीक्षा	– इंतज़ार	इनाम	– पुरस्कार

अभ्यास

संकलित मूल्यांकन

पाठ बोध

1. इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मौखिक

(क) राजा को किससे बहुत प्यार था?

(ख) जंगल में राजा को कौन दिखाई दिए?

(ग) पहले बालक ने राजा से क्या माँगा?

(घ) ऐसी क्या चीज़ है जो हमेशा हमारे पास रहती है?

लिखित

(क) राजा ने तीनों बालकों से क्या कहा?

(ख) तीसरा बालक कैसे विद्वान बन गया?

(ग) अंत में मंत्री ने अपने मित्रों से क्या कहा?

(घ) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

2. खाली स्थान भरो :

(क) _____ पशु-पक्षियों से मिलने के लिए वन में जाते थे।

(ख) _____ और _____ से बेचैन राजा एक बड़े-से-पेड़ के नीचे बैठ गया।

(ग) _____ की बात सुनकर राजा बहुत प्रसन्न हुए।

(घ) _____ से नहीं, बल्कि _____ से ही हम धनवान बनते हैं।

3. ऐसा किसने, किससे कहा?

वाक्य	किसने कहा?	किससे कहा?
(क) "मुझे बहुत भूख और प्यास लगी है। क्या मुझे भोजन और पानी मिल सकता है?"	_____	_____
(ख) "महाराज! क्या आप मुझे एक बड़ा-सा बँगला और गाड़ी दे सकते हो?"	_____	_____
(ग) "ठीक है बेटा, मैं तुम्हें बहुत सारा धन दूँगा"	_____	_____
(घ) "महाराज! क्या आप मेरा भी सपना पूरा करेंगे?"	_____	_____

भाषा बोध

1. वचन बदलकर लिखिए :

किनारा	_____	गाड़ी	_____	तितली	_____
घड़ी	_____	बालक	_____	बँगला	_____

2. विलोम शब्द लिखिए :

राजा	× _____	धनी	× _____	सुखी	× _____
अच्छा	× _____	बुद्धिमान	× _____	दिन	× _____

3. वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

(क) राजा पशु-पक्षियों पर बहुत प्यार करते थे। _____

(ख) राजा बालकों का व्यवहार से खुश हुए। _____

(ग) मुझे सपना है कि मैं पढ़-लिखकर विद्वान बनूँ। _____

(घ) राजा को उसे राज्य का मंत्री बना दिया _____

4. दिए गए वाक्यों में संज्ञा शब्दों पर गोला खींचिए और क्रिया शब्दों को छाँटकर लिखिए :

(क) एक दिन राजा वन में गए। _____

(ख) उन्हें पशु-पक्षियों से बहुत प्यार था। _____

(ग) तीनों बालकों ने राजा की मदद की। _____

(घ) मैं नए-नए कपड़े पहनूँगा। _____

रचनात्मक मूल्यांकन

मौखिक अभ्यास

- निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए तथा लिखिए :

पक्षियों	अचानक	ढूँढ़ते	इंतज़ार
_____	_____	_____	_____
बँगला	विद्वान	बुद्धिमान	समाप्त
_____	_____	_____	_____

क्रियात्मक कार्य

1. "शिक्षा बड़ी या धन" पाठ के आधार पर बताइए कि ऐसी कौन-सी चीज़ है जो हमेशा हमारे पास रहती है।
2. शिक्षा हमारे लिए क्यों ज़रूरी है। अपने शब्दों में लिखिए :

_____

_____

_____

भावार्थ लेखन

विद्या धन उत्तम अहै, धन माया बेकार।
अनपढ़ का है जगत में, नहीं कहीं निस्तार।।

- इस दोहे का भावार्थ अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखें।

चित्रात्मक कार्य

- इन पुस्तकों और धन के घड़ों को अलग-अलग रंगों से सजाइए :

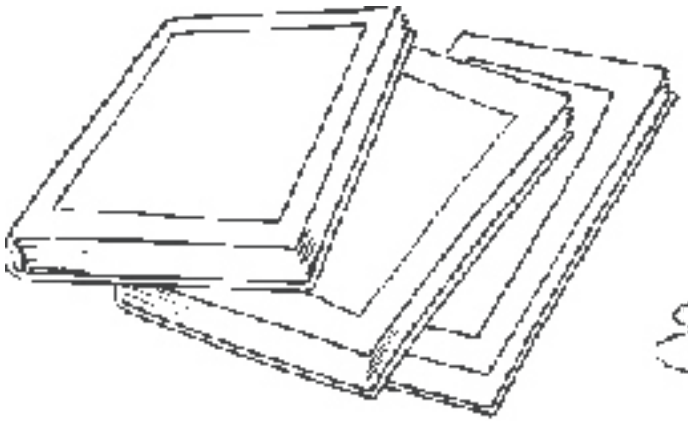

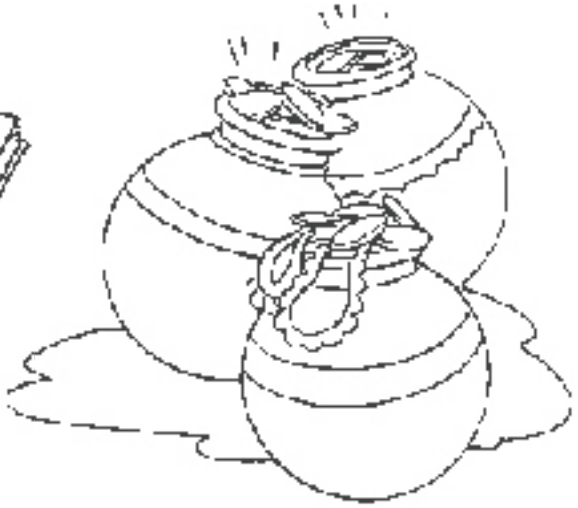

उच्च बौद्धिक स्तरीय प्रश्न (HOTS)

- ऐसी कौन-सी चीज़ है, जिसे न तो चोर चुरा सकता है और न भाई बाँट सकता है। सबसे अद्भुत बात यह है कि उसको जितना खर्च किया जाता है, वह उतनी ही बढ़ती है और जितना सँभालकर रखोगे वह उतनी ही घट जाती है?

मूल्यपरक प्रश्न (VBQ)

- राजा की जगह यदि आप होते, तो तीनों बालकों के साथ आप उनके उपकार का बदला किस प्रकार चुकाते? सोचकर चार-पाँच वाक्य लिखिए :

जीवन कौशल (Life SKill)

- शिक्षा अनमोल रतन है। यह शुल्क देकर ही नहीं बिना शुल्क के भी प्राप्त हो जाती है। अच्छी शिक्षा को प्राप्त करने वाला व्यक्ति सारे संसार में पूजनीय हो जाता है। अतः आप भी शिक्षा ग्रहण करने में ज़रा भी आलस न करें।